

न्यायालय श्रीमान राजस्व मण्डल ग्वालियर, केम्प भोपाल  
आ. नं - 29-88-16

पुनरिक्षण याचिका क्रं 0 - /2015-16

प्रस्तुत दि- 31.08.2016

पुनरिक्षणकर्ता - विनोद आयु 60 वर्ष आठ श्री अनोखीलाल उपाध्याय,  
जाति ब्राह्मण, निवासी ग्रामनयापुरा तहसील हंडिया  
जिला हरदा म.प्र.

विरुद्ध

उत्तरवादीगण - {1}- श्रीमती होरामणी राय पत्नि जयनारायण राय,  
निवासी ग्राम नयापुरा, तहसील हंडिया, जिला हरदा

{2}- श्रीमती प्रेमबाई पत्नि जगदीश जाट,

निवासी ग्राम नयापुरा तहसील हंडिया, जिला हरदा

{3}- शिवशंकर आठ अमरचंद राय जाति कलाल,

निवासी ग्राम नयापुरा तहसील हंडिया, जिला हरदा

{4}- देवेन्द्र कुमार आठ अनोखीलाल उपाध्याय

उम्र लगभग 50 वर्ष, जाति ब्राह्मण निवासी ग्राम

नयापुरा, तहसील हंडिया, जिला हरदा

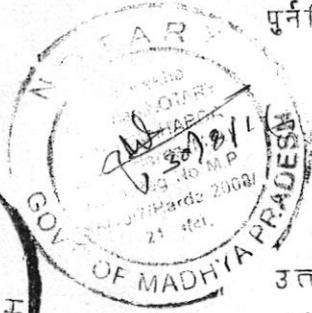
पुनरिक्षण याचिका अंतर्गत धारा 50 म.प्र. मू.रा. सं.

पुनरिक्षणकर्ता न्यायालय श्रीमान तहसीलदार महोदय हंडिया के  
कार्यालय रा. नि. सं. हंडिया द्वारा जारी सूचना पत्र जिसका क्रमांक-  
/क्यू. /रा. नि. /रा. नि. /2010 हंडिया, दिनांक 19.04.2012

एवं उन्हें प्राप्त राजस्व मामले में नोटिस तहसीलदार महोदय हंडिया  
जिसका विषय धारा 250 क्रं - 31-70 वर्ष 2011-12 ग्राम नयापुरा

विनोद उपाध्याय

*(Handwritten signature)*



श्री श्रीमती देवराज  
नं. 2014 31-816  
30/8/16

CF 27.9.16  
NA 27.9.16

0377-1111111

तथा दिनांक 27.04.2005 मामला क्र० - 15/04-05 सीमांकन  
बावत अ-12 तहसील हंडिया जिला हरवा के पश्चात उत्तरवादी क्र०1  
के द्वारा प्रस्तुत धारा 250 म.प्र. भू.रा.सं. के अंतर्गत न्यायालय श्रीमान  
तहसीलदार महोदय हंडिया से प्राप्त नोटिस के विरुद्ध जिसके अंतर्गत  
सीमांकन दिनांक 2.05.2012 का सीमांकन हुआ है का सूचना पत्र  
नही मिलने के परिपेक्ष्य में सूचना पत्र और सीमांकन को संपूर्ण रूप से  
निरस्त किये जाने बावत यह पुनरिक्षण याचिका निम्न तथ्यों एवं आधारों  
पर प्रस्तुत है ।

*[Handwritten signature]*

*[Handwritten notes on the left margin]*  
D  
Bh. C  
20 51  
CF  
AIR

30.11.2016

आवेदक की ओर से श्री वासीत सिंह राजपूत आयोगाध्यक्ष एवं अनवेदक कुमांक 1,3 की ओर से श्री उषेन्द्र अग्रवाल आयोगाध्यक्ष, अनवेदक कुमांक 2 की ओर से श्री हरिप्रिय एवं अनवेदक कुमांक 4 स्वयं उपाध्यक्षता ग्रहण पर सुना गया। यह निर्णय सीमांकन के सूचना पत्र के विशुद्ध

प्रस्तुत की गई है। आवेदक की ओर से प्रस्तुत दस्तावेजों से स्पष्ट है कि सीमांकन की कार्यवाही सम्पन्न हो चुकी है। उसके आतिरिक्त निर्णय अर्थात् कार्य भी प्रस्तुत की गई है, उस सम्बन्ध में स्वयं आवेदक की ओर से सीमांकन में आपत्ति काना स्वीकार किया गया है। अतः यह निर्णय प्रथम दृष्टया अर्थात् कार्य एवं निर्देशक होने से अग्रार्थ की जाती है।

✓

पूरी  
है

शिवशंकर  
30/11

अस

अध्यक्ष